बी०एड० - प्रथम वर्ष (1)
Paper - पाठ्यक्रम में भाषा दिनांक - 25/4/2020

डॉ० दिनेश सिंह यादव
(बी०एड० विभागाध्यक्ष)

भाषा का अर्थ :- (Meaning of Language)

भाषा भावों एवं विचारों की जननी तथा अभिव्यक्ति का साधन व माध्यम है। भाषा के कारण ही मनुष्य इतना उन्नत प्राणी बन सका है। बुद्धि तथा विचार चिन्तन शक्ति के कारण ही मनुष्य भाषा का अधिकारी बन सका है।

अर्थात्

"अपने विचारों तथा भावों का आदान-प्रदान करने के लिए मानव जिस साधन का प्रयोग करता है उसी को भाषा कहते हैं।"

भाषा की परिभाषाएँ :-
Definition of Language

स्वीट महोदय के अनुसार

"भाषा मानव-मस्तिष्क और हृदय की चेरी बनती हुई ध्वनि रूप या लिपि रूप में विचारों और भावों की अभिव्यक्ति है।"

श्री रामचन्द्र वर्मा के अनुसार :

"मुख से उच्चरित होने वाले शब्दों और वाक्यों आदि का समूह जिसके द्वारा मन की बात बतलाई जाती है, भाषा कहलाती है।"

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

डॉ. सीताराम चतुर्वेदी के अनुसार :-

"भाषा के आविर्भाव से सारा मानव-संसार गूँगों की विराट बस्ती बनने से बच गया, और इसी के परिणामस्वरूप जीवमण्डल में सर्वोच्च स्थान पाया है।

सुमित्रानन्दन पन्त के अनुसार :

"भाषा संसार का नादमय चित्र है, ध्वनिमय स्वरूप है, यह विश्व की हृदयतंत्री की झंकार है, जिनके स्वर में अभिव्यक्त होती है।"

भाषा की प्रकृति

(Nature of Language)

(1) भाषा अर्जित संपत्ति है :

कोई भी बालक जन्म से सीखकर नहीं आता, बल्कि अपने अभिभावकों के साथ रहकर भाषा का अर्जन करता है। भाषा का अर्जन करना मानव का स्वभाव है।

(2) भाषा का अर्जन अनुकरण से होता है -

छोटे बालक अपने से बड़ों का अनुकरण करके भाषा सीखते हैं। मातृभाषा के अतिरिक्त अन्य भाषाएँ भी अनुकरण करके ही सीखी जाती हैं। बालक विद्यालय में अपने शिक्षक या शिक्षिका का अनुकरण करते है, और भाषा सीख जाते हैं।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(3) भाषा परिवर्तनशील है:- भाषा के बारे में कहा जाता है कि भाषा बहता हुआ नीर है। भाषा का रूप हमेशा एक जैसा नहीं रहता है और न ही भाषा का कोई अन्तिम रूप होता है। भाषा के विषय यह कहना उचित ही रहेगा कि भाषा काल, स्थान और व्यक्ति परिवर्तन के साथ बदल जाती है। भाषा परिवर्तन में अर्थ संकोच के साथ-साथ अर्थ विस्तार भी होता है।

(4) भाषा अपने में मूल रूप से मौखिक साधन है:- भाषा का विकास अपने प्रारंभिक काल में मौखिक रूप में ही हुआ है। मानव अपने शैशव काल में भाषा का विकास मौखिक रूप से ही करता है।

(5) भाषा चिन्हात्मक है:- भाषा का लिखित रूप चिन्हों पर आधारित है। इन चिन्हों का सीखना और याद करना अत्यन्त आवश्यक होता है। जैसे- "जलज" एक फूल है, जिसकी आकृति से हम परिचित हैं। इस फूल को पर्याय के रूप में कमल कहते हैं। ये फूल पानी में होता है और पानी में ही खिलता है। यह जिन ध्वनियों के मेल से बना है। ये ध्वनियाँ एक प्रकार के स्वर चिन्ह ही हैं, जिनको लिपि चिन्हों में बदलते हैं। अर्थात् हम यूँ कह सकते हैं कि "भाषा प्रक्रिया के अन्तर्गत पहले विचार, फिर विचार व्यक्त करने हेतु स्वर-चिन्ह और अन्त में स्वर-चिन्हों के प्रतीक लिपि-चिन्ह।"

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(6) भाषा सभ्यता की चितेरी है:-

भाषा का जिस सभ्यता में विकास होता है, वह उसी सभ्यता का चित्रण भी करती है, और उसी सभ्यता से प्रभावित होती है।

बेन जानसन (Ben Jonson) के अनुसार " भाषा समाज के लिए केवल साधन मात्र है।"

भाषा- विकास की विशेषताऐं
(Characteristics of Language Development and Features)

(i) भाषा पैतृक सम्पत्ति नहीं है:-

भाषा पैतृक नहीं होती है। यदि किसी भारतीय बच्चे को जन्म के कुछ ही दिन पश्चात पालन-पोषण के लिए इंग्लैंड भेज दिया जाए, तो वह वहाँ पर भारतीय भाषा नहीं बोल सकेगा, वहाँ उसकी मातृभाषा अंग्रेजी होगी। यदि भाषा पैतृक सम्पत्ति होती तो वह बालक भारतीय भाषा ही बोलता है।

(2) भाषा परम्परागत है, व्यक्ति उसका अर्जन कर सकता है, उसे उत्पन्न नहीं कर सकता है:-

भाषा परम्परा से चली आ रही है, व्यक्ति परम्परा तथा समाज से उसका अर्जन करता है। एक व्यक्ति उसे उत्पन्न नहीं कर सकता, किन्तु वह उसमें परिवर्तन आदि कर सकता है।

(3) भाषा का अर्जन अनुकरण द्वारा होता है?—

भाषा का अर्जन अनुकरण द्वारा होता है। जैसे:- बच्चे के सामने माँ 'पानी' को 'पानी' कहती है। वह उसे सुनता है तथा धीरे-धीरे उसे स्वंम कहने का प्रयत्न करता है। अतः अनुकरण मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है। हम भाषा को अनुकरण के माध्यम से ही सीखते हैं।

(4) भाषा चिर परिवर्तन शील है।-

भाषा के मौखिक रूप को भाषा कहा जाता है। लिखित रूप तो उसके पीछे-पीछे ही चलता है। मौखिक भाषा को व्यक्ति अनुकरण द्वारा सीखता है; परन्तु अनुकरण हमेशा अपूर्ण होता है। इसी कारण भाषा में सदा परिवर्तन होते रहते हैं। अनुकरण पर शारीरिक तथा मानसिक विभिन्नताओं का प्रभाव पड़ता है, जिनकी सूक्ष्म विभिन्नता भी भाषा में परिवर्तन का कारण बन जाती है।

(5) भाषा का कोई अन्तिम रूप नहीं होता है।-

भाषा कभी भी पूर्ण नहीं होती अर्थात यह कभी नहीं कहा जा सकता कि अमुक भाषा का अन्तिम रूप अमुक है। भाषा से हमारा अभिप्राय जीवित भाषा से होता है। मृत भाषा का अन्तिम रूप तो अवश्य अन्तिम होता है। किन्तु भाषा (जीवित) में यह बात नहीं है। भाषा परिवर्तनशील विकास की एक प्रक्रिया है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(6) भाषा संयोगावस्था से वियोगावस्था की ओर जाती है।-

पहले वाक्यों का विचार था कि भाषा वियोगावस्था से संयोगावस्था की ओर जाती है। कुछ विचारों यह विचार था कि भाषा दोनों परिस्थितियों से होकर गुजरती है। परन्तु दोनों ही ~~वाक्यों~~ विचारों में कोई तथ्य नहीं रह गया है। परन्तु भाषा संयोगावस्था से वियोगावस्था की ओर जाती है। वियोग से तात्पर्य है: विघटित होना। जैसे - "मोहनः खादति।" से "मोहन खाता है" का हो जाना। अतः कहा जा सकता है कि संस्कृत से हिन्दी वियोगावस्था हो गई है।

(7) भाषा आद्यान्त सामाजिक वस्तु है।-

भाषा का अर्जन समाज के सम्पर्क से ही होता है या हो सकता है। वास्तविकता यही है कि भाषा का जन्म समाज में होता है; उसका विकास समाज में होता है तथा उसका प्रयोग भी समाज में होता है। क्योंकि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, इसलिए उसे विचार-विनिमय के लिए भाषा की आवश्यकता पड़ती है।

(8) भाषा स्थूलता से सूक्ष्मता और प्रौढ़ता की ओर जाती है:→

भाषा शुरू से ही स्थूल होती है। परन्तु धीरे-धीरे वह सूक्ष्म भावों तथा विचारों के आदान-प्रदान के लिए सूक्ष्म तथा अप्रौढ़ से प्रौढ़ है, परन्तु संस्कृत की तुलना में उसे सूक्ष्म तथा प्रौढ़ नहीं कहा जा सकता, क्योंकि हिन्दी अभी तक उन अनेक क्षेत्रों में प्रयुक्त हो विकसित नहीं हुई जिसमें संस्कृत आज से हजारों वर्ष पहले हो चुकी है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(9) भाषा कठिनता से सरलता की ओर अग्रसर होती है:- सभ्यता यही है कि मनुष्य श्रम में महत्तम कार्य करना चाहता है। मनुष्य की यही प्रवृत्ति भाषा के लिए भी उत्तरदायी है। जैसे:- टेलीविजन को केवल टी॰वी॰ कहकर ही काम चला लिया जाता है।

डा॰ दिनेश सिंह यादव

बी॰एड॰ संकाय (असि॰ प्रोफेसर)

पाठ्यक्रम में भाषा

(Language Across the Curriculum)

बी॰एड॰ प्रथमवर्ष (2019–2021)

25/04/2020

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner